RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 12 अगस्त 2022 वर्ष 04 अंक 102 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

17 अगस्त से महाराष्ट्र विधानमंडल का मानसून सत्र !

विपक्ष ने बनाई रणनीति...

मुंबई : महाराष्ट्र विधान मंडल का मानसून सत्र मुंबई में 17 से 25 अगस्त 2022 तक आयोजित किया जाएगा। गुरुवार को विधानसभा और विधान परिषद के कामकाज सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में यह निर्णय लिया गया। यह बैठक विधान भवन में आयोजित की गई, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद उपाध्यक्ष डॉ. नीलम गोर्हे, विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरी झिरवाल, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, चंद्रकांत पाटिल, दादा भुसे, उदय सामंत के अलावा विधानसभा में विपक्ष के नेता अजीत पवार और विधान परिषद के विपक्ष के नेता अंबादास दानवे समेत सभी दलों के प्रमुख नेता मौजूद रहे। सत्र के दौरान शुक्रवार 19 अगस्त को दही हांडी की छुट्टी रहेगी। वहीं 20 और 21 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश है। 24 अगस्त को स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मानसून सत्र में शिंदे सरकार को घेरने के लिए विपक्ष ने अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके तहत नेता विपक्ष अजीत पवार ने गुरुवार को विपक्षी दलों के साथ बैठक की। इस बैठक में कांग्रेस और शिवसेना के नेताओं ने भी भाग लिया। विपक्ष की योजना बाढ़ से प्रभावित किसानों के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने के अलावा दागी विधायक संजय राठौड़ और अब्दुल सत्तार को मंत्री बनाए जाने को लेकर हंगामा खड़ा करने की है। महाराष्ट्र में शिंदे-फडणवीस सरकार के गठन के बाद नई सरकार का यह पहला मानसून सत्र है। वहीं, आघाडी नेताओं के लिए अब विपक्ष के रूप में चुनौती खड़ा करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने भी अपने निवास सिल्वर ओक पर पार्टी नेताओं के साथ मंथन किया। इस बैठक में नेता विपक्ष अजीत पवार, प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल के अलावा सभी प्रमुख नेताओं ने भाग लिया।

महाराष्ट्र में वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़ ...!

17 महिलाओं को छुड़ाया, 9 दलाल भी गिफ्तार

मुंबई : पुलिस ने गुरुवार को नवी मुंबई इलाके में छापेमारी कर सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया. पुलिस ने कथित रूप से वेश्यावृत्ति में धकेली गईं 17 महिलाओं को भी यहां से छुड़ाया. इसके साथ-साथ दलाल के तौर पर काम करने के आरोप में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि यह अभियान मुंबई पुलिस की मानव तस्करी रोधी इकाई (एएचटीयू) ने पांच अगस्त को चलाया था. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'एक महिला द्वारा चार अगस्त को मानव तस्करी रैकेट में शामिल राजू और साहिल नाम के दो लोगों के खिलाफ शिकायत के बाद बाद कार्रवाई की थी.' उन्होंने बताया कि महिला की शिकायत के अनुसार आरोपी अलग-अलग राज्यों की महिलाओं को मुंबई में नौकरी दिलाने का झूठा वादा करके लाते थे.

उन्होंने बताया, 'महिलाओं को मुंबई लाने के बाद, वह उन्हें पड़ोसी शहर नवी मुंबई के नेरुल में एक अज्ञात स्थान पर बंद कर देते थे और उन्हें वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करते थे. आरोपी उन महिलाओं को वेश्यावृत्ति के लिए लॉज और होटलों में भेजता था और अवैध गतिविधियों के जरिए पैसा कमाता था.' उन्होंने कहा कि शिकायत पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए पुलिस के साथ एएचटीयू के चार दलों ने नेरुल के शिरवाने गांव में छापेमारी की और 17 महिलाओं को मौके से छुड़ाया और नौ पुरुषों को गिरफ्तार किया.

भारतीय दंड संहिता की धारा 370 (मानव तस्करी), 392 (डकैती), 344 और 346 (गलत तरीके से कारावास से संबंधित), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 506 (आपराधिक धमकी), 34 (सामान्य इरादा) के अलावा अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम से संबंधित धाराएं प्राथमिकी में दर्ज की गई हैं. पुलिस ने बचाई गईं पीड़ितों को महिला सुधार केंद्रों में भेज दिया है, जबकि गिरफ्तार आरोपियों को बुधवार तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया.

फर्जी पुलिसवाला गिरफ्तार

बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों से पैसे वसूलने का आरोप

मुंबई : मुंबई में एक फर्जी पुलिस वाले को एमआईडीसी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बरसात के दौरान पुलिस वालों की तरह रेनकोट पहनकर और हाथ में फायबर का एक डंडा लेकर बिना हेलमेट बाइक सवार लोगों से पैसे वसूलने के आरोप में एक नकली पुलिस वाले को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार आरोपी के खिलाफ रंगदारी का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की उम्र 36 साल बताई जा रही है। आरोपी को अंधेरी पूर्व के महाकाली जंक्शन से गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में शिकायतकर्ता मनोज ताकमोगे अपने चाचा के साथ वहां से जा रहे थे। इसी दौरान महाकाली जंक्शन के निकट कनोसा जंक्शन के पास वे पहुंचे। इस दौरान पुलिस वाले की तरह रेनकोट पहने एक शख्स ने उन्हें रोका। शिकायतकर्ता के अनुसार इस शख्स के पास एक फायबर का डंडा भी था। आरोपी ने शिकायतकर्ता से बिना हेलमेट के बाइक पर यात्रा करने पर जुमार्ना भरने को कहा। साथ ही कहा कि 200 रुपये देकर मामला सुलझा भी सकते हैं। इसी दौरान ताकमोगे को इस शख्स के हावभाव पर शक हुआ और उसनें पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर मामले की जानकारी दी।

बांद्रा लिंकिंग रोड इलाके में फायरिंग...!

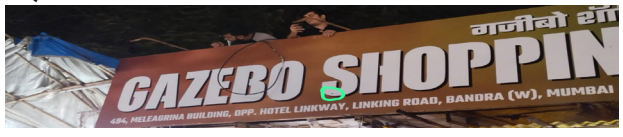

बांद्रा : बांद्रा के लिंकिंग रोड इलाके के गजेबो मार्केट में गुरुवार की रात एक चौंकाने वाली घटना में तीन अज्ञात लोगों ने हवा में गोलियां चला दीं. बाइक सवारों ने लोगों को धमकी भी दी कि वे बाहर स्टॉल न लगाएं वरना जान से मार देंगे। मौके पर पहुंची खार पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना शाम 7.45 बजे गाजेबो मार्केट में हुई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि उन्हें संदेह है कि इस फायरिंग के पीछे कुछ भू-माफिया थे जो जमीन पर कब्जा करना चाहते थे और इस जगह पर अवैध हॉकर चलाना चाहते थे। पुलिस सूत्रों ने आगे कहा कि तीन अज्ञात व्यक्ति काले रंग की बाइक पर आए और उन्होंने हवा में दो राउंड फायरिंग की। आरोपी ने फेरीवालों को धमकी भरा पत्र भी दिया और मौके से फरार हो गए। ''घटना गुरुवार को बांद्रा पश्चिम में लिंकिंग रोड पर गजेबो मार्केट में शाम 7.45 से 8.00 बजे के बीच हुई। हम जांच कर रहे हैं कि आरोपी द्वारा आग के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बंदूक असली है या यह खिलौना बंदूक थी। हम सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रहे हैं। और आरोपियों की पहचान कर रहे हैं। हम उस गोली की भी तलाश कर रहे हैं जो उन्होंने हवा में और एक बाजार के साइनबोर्ड पर चलाई थी।''

संपादकीय / लेख

स्वास्थ्य अब राजनीतिक मुद्दा

कोविड के बाद कई लोगों का मानना है कि स्वास्थ्य अब राजनीतिक मुद्दा बन गया है और सरकारें स्वास्थ्य सुधारों पर अधिक ध्यान देंगी। भारत के स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधारों की बहुत गुंजाइश है और इसके लिए जरूरी है कि स्वास्थ्य लम्बे समय के लिए सरकारी प्राथमिकता बने।

यह भी जरूरी है कि लोग भी इस बात को ध्यान में रखकर वोट दें कि सरकारों ने स्वास्थ्य के लिए क्या कदम उठाए। यह सब होगा या नहीं और होगा तो किस स्तर तक, फिलहाल कहना मुश्किल है लेकिन महामारी को भूलकर हम अन्य चुनौतियों में व्यस्त हों, उससे पहले यह समय है कुछ मुद्दों पर बहस को तेज करने का। स्वास्थ्य भारत में राज्यों का विषय है, लेकिन ऐसी कई केंद्रीय नीतियां और योजनाएं हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं के लिए होती हैं। महामारी में हमने केंद्र-राज्य के बीच संघर्षों को देखा। आरोप लगाया गया था कि केंद्र राज्य के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण कर रहा है। अब समय है कि चर्चा की जाए कि जनस्वास्थ्य के मामले में सहकारी संघवाद को किन तरीकों से मजबूत किया जा सकता है? इन दोनों के बीच आदर्श संतुलन क्या है? क्या सभी राज्यों में स्वास्थ्य का अधिकार कानून की आवश्यकता है? इनमें से कुछ मामलों पर पिछले दिनों नीति आयोग की कार्यकारिणी बैठक में चर्चा हुई पर अब राज्य स्तर पर चर्चा की जरूरत है। पिछले दिनों सरकार ने संसद में कहा कि भारत में अब पर्याप्त डॉक्टर हो गए हैं। लेकिन सरकारी क्षेत्र में 10% ही डॉक्टर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इनकी उपलब्धता कम है। डॉक्टर होना काफी नहीं है, जनता के लिए जो बात मायने रखती है, वो ये है कि क्या उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाएं आसान हुई हैं? इसके लिए जरूरी है कि स्वास्थ्य बजट आवंटन बढ़े और डॉक्टरों-चिकित्सा कर्मचारियों की समान रूप से गांव-शहरों में नियुक्ति हो। कोविड के सबक के बाद रोग-पहचान और नियंत्रण-तंत्र में सुधार हुए हैं। इनके चलते मंकीपॉक्स को समय रहते पहचाना जा सका। लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में डाटा संग्रह और उपयोग अभी भी चुनौती बने हुए हैं। इनमें तेजी से सुधार जरूरी हैं। एनएफएचएस-5 से पता चला है कि महिलाओं-बच्चों के लिए कई दशकों से चल रही योजनाओं के बावजूद कुपोषण और एनीमिया की दर उच्च है और सुधार की दर कम है। हमें एनीमिया उन्मूलन और अन्य पोषण नीतियों में कमियों को पाटने की जरूरत है। मानसिक स्वास्थ्य व पोस्ट एंड लॉन्ग कोविड : मानसिक स्वास्थ्य पहले भी बड़ी चुनौती थी। कोविड के बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की संख्या कई गुना बढ़ी है। वहीं हर दस में से एक कोविड प्रभावित व्यक्ति को लक्षण लम्बे समय तक बने रहते हैं, जिन्हें पोस्ट और लॉन्ग कोविड कहते हैं। सरकार को इन दोनों पर ध्यान देना होगा। साथ ही हालिया घोषित जनस्वास्थ्य और मैनेजमेंट कैडर को राज्यों द्वारा लागू करना, स्वास्थ्य गुणवत्ता मानकों को स्वास्थ्य केंद्रों पर लागू करना, नगरीय निकायों द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना और इनोवेशंस के साथ ही स्वास्थ्य सुधारों के लिए नई भागीदारियां बनाने की भी जरूरत है। खबरें हैं कि 15 अगस्त को सरकार एक महत्वाकांक्षी और बड़ी समग्र स्वास्थ्य योजना घोषित कर सकती है। यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (2005), आयुष्मान भारत कार्यक्रम (2018) और पिछले साल घोषित डिजिटल स्वास्थ्य मिशन व हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन का सम्मिलित रूप हो सकती है। लेकिन पुरानी योजनाओं को नए तरीके से प्रस्तुत करने के बजाय पहले से चल रही स्वास्थ्य योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभावी अमल की जरूरत ज्यादा है।

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

90 साल की बूढ़ी मां ने बेटे और बहू से जीता केस

मुंबईः आखरिकार 90 साल की महिला को इंसाफ मिल ही गया। मुंबई की सत्र अदालत ने मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को बरकरार रखते हुए महिला के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बेटे और बहू को फ्लैट खाली करने का आदेश दिया है। महिला ने बेटे और बहू पर घरेलू हंसिा का आरोप लगाया था। बेटे और बहूं की उम्र लगभग 60 वर्ष है। सत्र न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि फ्लैट नंबर 501 में आवेदक ने अपना पूरा जीवन अपने पति और बच्चों के साथ बिताया है। उस घर से उसकी भावनाएँ जुड़ी हुई हैं और ऐसी परिस्थितियों में उसे उसके घर दूर नहीं किया जा सकता।

महिला ने आरोप लगाया था कि घर में 50 फीसदी हिस्सा होने के बावजूद उसे अपनी बेटी और दामाद के साथ रहने के लिए मजबूर किया जाता है। बहू के इस तर्क का खंडन करते हुए कि एक महिला होने के नाते उसे उसके घर से बेदखल नहीं किया जा सकता है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एक महिला होने के नाते उसे घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत साझा घर ऐसे में अधकिारी नहीं दिये गये हैं कि वह किसी को बाहर कर सके। 2011 में मजिस्ट्रेट की अदालत में घरेलू हिंसा की शिकायत की गई थी। उसमें महिला ने बताया कि पति की 2000 में मृत्यु हो गई थी और उसके पास फ्लैट का 50% हिस्सा था। उनके अनुसार मृत्यु के बाद उनके बेटे और उनकी पत्नी का व्यवहार बदल गया और उन्होंने उसके लिए जीवन को नर्क बना दिया। उसने आगे कहा कि चूंकि वह घर में अपना हिस्सा चाहती थी, इसलिए दंपति ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उसने आरोप लगाया कि शारीरिक हिंसा के बाद उसे चार पुलिस शिकायतें दर्ज करनी पड़ीं। महिला के मुताबिक उसका बेटा शराबी है। 2010 में वह कथित तौर पर एक दिन नशे में घर आया। उसके कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। उसे गर्दन से पकड़ लिया और धमकी दी कि अगर उसने उसके नाम पर संपत्ति हस्तांतरित करने के लिए कागजात पर हस्ताक्षर नहीं किया तो उसका गला घोंट देगा। उसने कहा कि वह अपने ही घर में घुसने से डरने लगी। 2021 में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उन्हें राहत दी।

आवासीय आदेश के माध्यम से आवेदक को साझा घर में रहने की अनुमति दी जाती है और प्रतिवादियों को निर्देश दिया जाता है कि वे दो महीने के भीतर खुद को हटा लें और आवेदक को इसका कब्जा दे दें, मजिस्ट्रेट ने कहा।

बेटे की सड़क हादसे में हुई थी मौत

मां को मिलेगा 3 करोड़ मुआवजा

मुंबईः मुंबई की एक महिला के बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। अब ट्राइब्यूनल कोर्ट के आदेश पर महिला की 3 करोड़ रुपये मुआवजा मिलेगा। यह मुआवजा बीमा कंपनियां ट्राइब्यूनल कोर्ट के आदेश के बाद देंगी। यह दुर्घटना दावा अब तक किए गए सबसे अधिक भुगतान में से एक होगा। महिला का बेटा कोटेक महिंद्रा बैंक में अधिकारी के पद पर था। मामला भांडुप की 65 वर्षीय महिला से जुड़ा है। भूषण जाधव अपने परिवार के साथ हाइवे के किनारे बने एक गांव में गए थे, जहां उनके रिश्तेदार रहते हैं। उनके परिवार के लोग रिश्तेदारों से मिलने चले गए, जबकि भूषण और उनके पिता कार में ही बैठे थे। परिवार पालघर जा रहा था। भूषण (38) बैंक में सहायक उपाध्यक्ष था, वह 2 लाख रुपये मासिक वेतन कमा रहा था। उसकी शादी होने वाली थी। यह मानते हुए कि यह समग्र लापरवाही का मामला था, ट्राइब्यूनल ने आपत्तिजनक कार, महिंद्रा पिकअप की बीमा कंपनी, मालिक और ड्राइवर को 70% देयता वहन करने का निर्देश दिया। जिस इनोवा कार में पीड़ित यात्रा कर रहा था, उसके बीमाकर्ता, चालक और मालिक को शेष 30% मुआवजे का भुगतान करना है। ट्राइब्यूनल ने माना कि इनोवा को लापरवाही से एक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ा किया गया था। ट्राइब्यूनल ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे वाहन पार्क करना सभी के लिए खुला नहीं है, जिस पर वाहन तेज गति से चलाया जा रहा है। इसलिए, चूंकि इनोवा वाहन के चालक ने अपना वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ा किया, इसलिए कुछ हद तक वह दुर्घटना के लिए भी जिम्मेदार है।

IT का छापा, 58 करोड़ कैश

32 किलो सोना समेत 390 करोड़ की बेनामी संपत्ति मिली

मुंबईः पश्चिम बंगाल में पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी ईडी के शिकंजे में हैं। अर्पिता के घर से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी।

अब महाराष्ट्र में आयकर विभाग के छापे में बड़ी संख्या में कैश मिला है। यह छापा जालना में स्टील, कपड़ा व्यपारी और रियल एस्टेड डिवेलपर के यहां मारा गया। छापे में करीब 390 करोड़ की बेनामी संपत्ति मिली है। इसके अलावा 58 करोड़ रुपये कैश, 32 किलो सोना, हिरे मोती के दाघिने और कई प्रॉपर्टी के दस्तावेजों को आयकर विभाग ने जब्त किया है।

आयकर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी में मिले कैश को गिनने में विभाग को 13 घंटे लगे। छापेमारी 1 से 8 अगस्त के बीच की गई। छापा आयकर विभाग के नाशिक ब्रांच ने मारा था। महाराष्ट्र के 260 आटी के अधिकारी और कर्मचारियों को इस छापेमारी में लगाया गया था। टीमें 120 से ज्यादा गाड़ियों में छापेमारी के लिए पहुंची थीं।

अधिकारियों ने बताया कि छापे में मिले हुए कैश को जालना के स्टेट बैंक में ले जाकर गिना गया। सुबह 11 बजे कैश गिनने का काम शुरू हुआ तो रात 1 बजे तक गिनती हुई। आयकर विभाग को सूचना मिली थी कि जालना के चार स्टील कंपनी इनकम टैक्स चोरी कर रही हैं। जिसके बाद विभाग एक्शन में आया। विभाग ने कंपनी के निदेशकों और उनसे जुड़ अधिकारियों के घर और कारखाने में छापेमारी की। घर पर कुछ मिला नहीं लेकिन शहर के बाहर फार्म हाउस में हुई छापेमारी में भारी नकद बरामद हुआ।

उत्तर से दक्षिण तक आसमानी आफत से लोग बेबस, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भारी बारिश का अलर्ट

मुंबईः देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है. कई जगहों पर तेज बारिश और बाढ़ लोगों के लिए मुसीबत बन गई है. महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, केरल जैसे राज्यों में बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त है. उधर, देश की राजधानी दिल्ली (ऊँ हींशै१) में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान. दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में आज हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है. दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 28 डिग्री और अधिकतम 35 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है.

मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों तक कई राज्यों में लगातार बारिश की संभावना जताई है. मध्य प्रदेश के भी कई जिलों में इन दिनों तेज बारिश हो रही है. मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है.

देश के कई राज्यों में भारी बारिश कहर बनकर टूटी है. मध्य प्रदेश में हाहाकार मचा है. शहर के शहर डूब रहे हैं. प्रदेश के रतलाम में थोड़ी सी बारिश में हाहाकार मच गया. मंदिर, सड़क सबकुछ पानी में समा गया. भारी बारिश के बीच लहरों ने रौद्र रूप धारण कर लिया और केदारेश्वर मंदिर में सैलाब आ गया. पूरे रतलाम शहर में बारिश का तांडव देखने को मिला. यहां ड्रेनेज सिस्टम की पोल खुल गई. रतलाम शहर का हर गली चौराहा पानी से लबालब नजर आया. मध्य प्रदेश के इंदौर शहर का भी बुरा हाल है. बारिश की वजह से कई जगहों पर जलजमाव से लोगों की परेशानी बढ़ गई है.

महाराष्ट्र में आज भी भारी बारिश होने की संभावना है. पिछले दो दिन से महाराष्ट्र के कई जिलों में हाहाकार मचा है. बुधवार को महाराष्ट्र के रायगड के अलीबाग में उफनती लहरों के बीच एक नाव फंस गई. इस नाव पर कुल 10 मछुआरे सवार थे. रात भर ये लोग उफनती लहरों के बीच जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़त रहे. कोस्ट गार्ड के जवान देवदूत बनकर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 12 अगस्त 2022

विदेशों में घरेलू हिंसा का सामना कर रहीं भारतीय महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यान दे सरकार - सांसद प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से विदेशों में घरेलू हिंसा का सामना कर रहीं भारतीय महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर गौर करने का आग्रह किया। चतुर्वेदी ने अपने पत्र में कहा कि अमेरिका में हुई घटना ने विदेशी अधिकार क्षेत्र में रहने वाली भारतीय महिलाओं के लिए उचित सुरक्षा उपायों के अभाव को उजागर किया है, जिससे अपने परिवारों से दूर वे अलग-थलग पड़ गई हैं, तथा उन्हें भारत सरकार का कोई समर्थन नहीं मिलता।

उन्होंने सरकार से न केवल विदेशों में संकटग्रस्त महिलाओं के परामर्श, पुनर्वास और सुरक्षा के लिए , बल्कि ऐसे अपराधों को रोकने के लिए भी मजबूत निगरानी तंत्र विकसित करने का भी आग्रह किया।

मनदीप कौर (30) ने अपने पिता को एक वीडियो भेजने के बाद तीन अगस्त को न्यूयॉर्क में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। वीडियो में रोते हुए उन्होंने अपने पति रंजोधवीर सिंह संधू द्वारा वर्षों से किए जा रहे घरेलू उत्पीड़न के बारे में बताया था। वीडियो में वह यह कहती नजर आई थीं कि वह अब और उत्पीड़न सहन नहीं कर सकतीं तथा अब अपनी जान देने जा रही हैं।

सियासी उठापटक के बावजूद उद्धव ठाकरे ने

एमएलसी पद से नहीं दिया इस्तीफा

मुंबई, सियासी उठापटक के बीच एक बड़ी ही दिलचस्प जानकारी सामने निकलकर आई है। बताया गया है कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने घोषणा के बावजूद अबतक आधिकारिक रूप से एमएलसी पद से इस्तीफा नहीं दिया है। इस बात की जानकारी पीटीआई ने विधान भवन के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से दी है। जबकि इस बात का ऐलान उद्धव ने काफी पहले किया था। दरअसल, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र विधान परिषद की सदस्यता से आधिकारिक रूप से अबतक इस्तीफा नहीं दिया हैं। हालांकि मुख्यमंत्री पद छोड़ने के समय उनकी ओर से इस संबंध में घोषणा करने के बाद 40 दिन बीत चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक

महाराष्ट्र विधान भवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि तकनीकी रूप से उद्धव ठाकरे अब भी विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) हैं, क्योंकि उन्होंने अबतक अपना इस्तीफा नहीं सौंपा है। रिपोर्ट के मुताबिक उस अधिकारी ने बताया है कि उन्होंने अबतक आधिकारिक रूप से विधान परिषद से इस्तीफा नहीं दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने मंजूर कर लिया है, लेकिन हमें अबतक राज्य विधानमंडल के उच्च सदन से इस्तीफे के संबंध में उनसे कोई लिखित जानकारी नहीं मिली है।

इस जानकारी के बाद राजनीतिक एक्सपर्ट कयास लगा रहे हैं कि ऐसा कैसे हुआ होगा। इसी बीच महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस सरकार का 40 दिनों के इंतजार के बाद कैबिनेट विस्तार हो गया है। भाजपा के कोटे से 9 मंत्रियों ने शपथ ली है। एकनाथ शिंदे के खेमे से भी इतने ही विधायकों ने शपथ ली है। भगत सिंह कोश्यारी ने कुल 18 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई है।

फिलहाल एकनाथ शिंदे सरकार के कैबिनेट विस्तार में किसी भी महिला नेता को मंत्री बनने का मौका नहीं मिला है। इस विस्तार के साथ ही महाराष्ट्र मंत्री परिषद के सदस्यों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। 30 जून को एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने शपथ ली थी।

बीएमसी चुनाव में शिवसेना को हराने का खाका तैयार

मुंबई, भाजपा का ध्यान बीएमसी और सेना के गढ़ औरंगाबाद, ठाणे और कल्याण-डोंबिविली जैसे निकाय चुनावों पर है। इन्हें ध्यान में रखते हुए ही परिषद में मंत्रियों की नियुक्ति की गई है।

एकनाथ शिंदे कैबिनेट में बांद्रा (पश्चिम) से विधायक आशीष शेलार को शामिल नहीं किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी सूत्रों का कहना है कि उनकी सेवाओं को बीएमसी चुनाव में इस्तेमाल करना रणनीति का हिस्सा है। खास बात है कि 2017 में मुंबई भाजपा के प्रमुख रहे शेलार के नेतृत्व में पार्टी ने बीएमसी के 227 में से 82 वार्डों में जीत दर्ज की। खास बात है कि भाजपा अपने तब साथी रहे शिवसेना से केवल दो सीटें ही पीछे थी। हालांकि, तब शिवसेना को खुश करने के लिए पार्टी ने उन्हें ही कमान

संभालने दी। 1985 से ही शिवसेना का बीएमसी पर कब्जा है। जब शिवसेना ने भाजपा से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी बनाई, तो शेलार ने भी सुर बदल लिए। वह कथित आर्थित अनियमितताओं और बीएमसी के कामों में ढिलाई को लेकर शिवसेना को घेरने के प्रयास करते रहे। रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा पदाधिकारियों ने कहा है कि केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य के नेताओं के साथ मिलकर अगले बीएमसी चुनावों में शिवसेना को हराने का खाका तैयार कर लिया है। साथ ही 134 वार्डों में जीत की कोशिश की जा रही है।

औरंगाबाद नगर निगम पर भी भाजपा का फोकस है। कैबिनेट में शहर के तीन नेताओं अतुल सावे, अब्दुल सत्तार और सांदिपन भुमरे को शामिल किया गया है। वहीं, शिंदे के गढ़ ठाणे में सरकार को बड़ी जीत की उम्मीद में है, क्योंकि मौजूदा पार्षदों में से अधिकांश ने सीएम को समर्थन दिया है। वहीं, कल्याण-डोंबिविली नगर निगम को देखते हुए रविंद्र चव्हाण को जगह दी गई है। इसके अलावा गिरीश महाजन, गुलाबराव पाटील और दादा साहब भुसे के जरिए भाजपा उत्तरी महाराष्ट्र में स्थिति मजबूत करने की तैयारी में है, जहां एनसीपी बड़ी सियासी कोशिशें कर रही है।

शिंदे गुट के विधायकों पर बरसे आदित्य ठाकरे

मुंबई, महाराष्ट्र की राजनीति में अभी भी आरोप प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। इसी कड़ी में राज्य के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने शनिवार को शिंदे गुट के विधायकों पर एक बार फिर से हमला बोला है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के बागी विधायकों ने गोवा के होटल में ऐसे डांस किया जैसे वे किसी बार में हों। आदित्य ने आरोप लगाया कि उन्होंने गोवा के होटल को बार बना दिया था।

दरअसल, मुंबई के माहिम में पार्टी कार्यकताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए बोलते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि एकनाथ शिंदे की सरकार लंबे समय तक नहीं चलेगी क्योंकि यह अवैध सरकार है। आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि इस सरकार ने महाराष्ट्र की प्रगति को रोक दिया। उन्होंने यह भी कहा कि ह्यउद्धव ठाकरे जैसे

अच्छे आदमीह्न के साथ इन लोगों ने धोखा किया है।

गुवाहाटी और गोवा में ह्यबागीह्न विधायकों के व्यवहार की आलोचना करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर वे असली शिवसैनिक होते तो वे जमीन पर होते। असम प्रशासन को बाढ़ से निपटने में मदद करने के बजाय वहां ह्यआनंदह्न लेने लगे। वे होटल के कमरों से पहाड़ और हरियाली का आनंद ले रहे थे। वे सब हमेशा देशद्रोही रहेंगे। गोवा में उन्होंने ऐसे डांस किया जैसे वे एक बार में थे।

मालूम हो कि गोवा के होटल में बागी विधायकों के डांस का वीडियो वायरल हुआ था। यह सब सामने आया था जब एकनाथ शिंदे के नाम की घोषणा महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के रूप में की गई थी। बता दें कि महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट अभी टला नहीं है। शिंदे खेमा और उद्धव खेमा चुनाव चिन्ह के लिए सुप्रीम कोर्ट में लड़ रहे हैं।

उधर एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस सरकार की कैबिनेट का अभी तक कोई विस्तार नहीं हुआ है। इसी बीच महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार लटकने से अब मंत्री और राज्य मंत्रियों के अधिकार सचिवों को सौंपे गए हैं। महाराष्ट्र में मंत्री ना होने की वजह से कई विभागों के कामों पर असर पड़ रहा है जिसकी वजह से कई विकास के काम अटके पड़े हैं।

शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका, विधानसभा अध्यक्ष ने ठुकराई मांगे

मुंबई, महाराष्ट्र विधानसभा में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है. विधासभा अध्यक्ष ने ठाकरे गुट की मांगे ठुकरा दी हैं। विधानसभा (में कामकाज समिति के सदस्यों में केवल शिंदे गुट के विधायकों को जगह मिली है. शिंदे गुट के उदय सामंत और दादा भूसे को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा कामकाज समिति का सदस्य बनाया है जबकि उद्धव गुट के किसी भी विधायक को इसमें जगह नहीं दी गई है.

इस बात के लिए ठाकरे गुट ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है. उद्धव ठाकरे गुट के

नेता अजय चौधरी ने लिखा की शिव सेना उनकी अधिकृत पार्टी है लिहाजा उन्हें विधानसभा कामकाज समिति में सदस्य देने के लिए मौका दिया जाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ जो की पूरी तरह से असंवैधानिक है. वहीं ठाकरे गुट शिंदे गुट पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं। बुधवार को सामना के संपादकीय में कहा गया है कि 40 दिन पहले अवैध रूप से बनी सरकार को राज्यपाल ने शपथ दिलाई और अब अवैध रूप से बनी सरकार के मंत्रियों को शपथ दिलाकर उन्होंने लोकतंत्र का अपमान किया है. इसमें आगे कहा गया है कि कुछ ऐसे विधायकों को शपथ दिलाना जिन्हें अयोग्य ठहराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित है, यह लोकतंत्र और संविधान की हत्या है. ऐसे हत्यारों को देश में खुला छोड़ दिया गया है और उनके माध्यम से राज्य के मामले चलाए जा रहे हैं. शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इस संपादकीय के माध्यम से चुनौती दी कि एकनाथ शिंदे खेमे में शामिल होने वाले नौ मंत्रियों की खुशी अल्पकालिक होगी. मुखपत्र में आगे कहा गया है कि महाराष्ट्र के लोग दलबदलुओं को उनके विश्वासघात के लिए कभी माफ नहीं करेंगे. हालांकि शिंदे सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है.

हार्ट अटैक के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव

मुंबईः मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को दवाओं के साथ दुआओं की भी जरूरत है। सूत्रों के मुताबिक, एंजियोप्लास्टी के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। सीने में दर्द होने और जिम में कसरत के दौरान गिर जाने के बाद उन्हें कल एम्स में भर्ती कराया गया था। बाद में उनकी एंजियोप्लास्टी हुई। दिल्ली के एक होटल में रुके राजू श्रीवास्तव बुधवार को जिम में वर्क आउट कर रहे थे। तभी उनके सीने में तेज दर्द हुआ और वह ट्रेडमिल पर गिर पड़े। राजू

को तुरंत एम्स में भर्ती कराया गया, जहां कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। सूत्रों का कहना है कि राजू की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें दवाओं के साथ दुआओं की भी जरूरत है। राजू के दिल की धमनियों में कई ब्लॉकिज हैं। जब से राजू के बीमार होने की खबर सामने आई है, उनके करोड़ों फैंस में निराशा है और सभी उनकी सलामती की दुआ कर रहे हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 12 अगस्त 2022

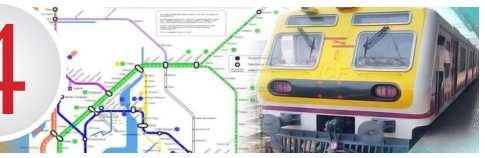

बिजनेसमैन से मांगे 1 लाख रुपये

जबरन वसूली के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई की दिंडोशी पुलिस ने एक 75 वर्षीय मलाड व्यवसायी से दिल्ली पुलिस का अधिकारी बनकर एक लाख रुपये मांगने के आरोप में 35 वर्षीय एक शख्स को गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता अरविंद बद्रीप्रसाद यादव फिल्म इंडस्ट्री को मैटिरियल की सप्लाई करते हैं और मलाड पश्चिम में जितेंद्र रोड पर उनका कार्यालय है. शिकायतकर्ता को सोमवार को एक अनजान नंबर से तीन कॉल आए थे, लेकिन काम में व्यस्त होने के कारण वह जवाब नहीं

दे सके. शाम को फिर उसी नंबर से एक और कॉल आई. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कॉल करने वाले ने यादव को कहा कि वह दिल्ली क्राइम कंट्रोल ब्यूरो का अधिकारी है और उसे शिकायत मिली है कि व्यवसायी ने सरकारी जमीन पर अपनी दुकान अवैध रूप से बनाई है. इसके बाद फोन करने वाले ने यादव से मलाड के एक होटल में मिलने आने के लिए कहा. लेकिन उन्होंने मना कर दिया और फोन काट दिया.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले दिन यादव और उसका भाई अपने ऑफिस में थे,उसी दौरान एक शख्स आया और उसने खुद को जयेश पांचाल बताया, और कहा कि शिकायत से नाम हटाने के लिए यादव से 1 लाख रुपये की मांग की. इसके बाद यादव ने अपने बेटे को बुलाया, जो पुलिस गश्ती दल के साथ अपने कार्यालय पहुंचे. और फिर पुलिस पांचाल को डिंडोशी थाने ले गई. पुलिस ने पांचाल को अतिचार और जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार कर लिया. बुधवार को उसे कोर्ट में पेश कर पुलिस ने रिमांड पर ले लिया.

टल गया हादसा!

बस का ब्रेक हुआ फेल

मुंबई, एक भीषण हादस होते हुए बाल-बाल टल गया। मुंबई के गोरेगांव इलाके में सड़क पर चलते हुए एक बस का ब्रेक फेल हो गया। जिसके बाद यह बस सड़क पर अनियंत्रित होकर दौड़ने लगी और सामने आए एक ऑटो को अपने साथ घसीटती हुई अपने साथ ले गई। इस हादसे में बस की चपेट में आने से चार लोग घायल हो गए। यह बस संतोष नगर से कुर्ला जा रही थी। इस मामले में डिंडोशी पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

इस घटना से जुटा एक सीसीटीवी फुटेज अब वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा सकता है कि सड़क पर दायीं तरफ एक पीली रंग की एक ऑटो खड़ी है, और तभी अचानक

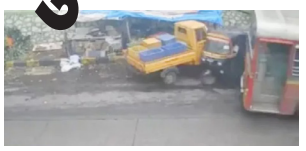

एक अनियंत्रित बस अन्य ऑटो को घसीटते हुए आती है और ऑटो के टक्कर मारते हुए आगे निकल जाती है। इस बात के पीछे लोगों का हुजूम दौड़ रहा है। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई। लेकिन बस की चपेट में आने से चार लोग घायल हो गए। ये घायल बस की चपेट में आए ऑटो में सवार थे। बता दें की मुंबई में यह कोई पहली बार नहीं है जब एक अनियंत्रित बस यमदूत बनी हो। इसके पहले भी यहां पर इस तरह के बस हादसे होते रहे हैं।

ऑनलाइन विहस्की ऑर्डर करने पर 5 लाख से ज्यादा का नुकसान

मुंबई : आजकल हर काम ऑनलाइन होने लगे हैं. बिलों का भुगतान से लेकर सामान मंगाने तक सब काम ऑनलाइन ही किए जा रहे हैं लेकिन इसी के साथ धोखाधड़ी के भी मामले बढ़ रहे हैं. पिछले काफी समय से मुंबई में लगातार ऑनलाइन फ्रॉड के केस सामने आ रहे हैं. ताजा मामले में भी मुंबई की एक महिला को ऑनलाइन विहस्की ऑर्डर करना काफी भारी साबित हुआ. दरअसल 550 रुपये की विहस्की की बोतल के लिए साइबर जालसाजों ने महिला से 5 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली. 10 अगस्त को बोरीवली (पश्चिम) में एमएचबी कॉलोनी पुलिस स्टेशन ने शिकायत मिलने के बाद मामले को लेकर एफआईआर दर्ज की. पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि उसे केक डेकोरेशन के लिए व्हिस्की की बोतल चाहिए थी और उसने 9 अगस्त को दहिसर में सिल्वर वाइन की दुकान का फोन नंबर सर्च किया. शिकायतकर्ता को एक साइबर जालसाज द्वारा अपलोड किया गया दुकान का एक नकली मोबाइल नंबर मिला. नंबर डायल करने पर, जालसाज ने खुद को दुकान का एक कर्मचारी बताया और कहा कि शॉप बंद हो गई है लेकन वे 10 मिनट में होम डिलीवरी कर सकते हैं. शिकायतकर्ता विहस्की की बोतल की होम डिलीवरी के लिए सहमत

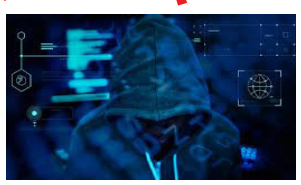

हो गई. इसके बाद जालसाज ने उसे पेमेंट के लिए एक क्यूआर कोड भेजा और उसने ई-वॉलेट का इस्तेमाल करके 550 रुपये का भुगतान कर दिया. पेमेंट हो जाने के बाद जालसाज ने महिला को कहा कि कोई दूसरा व्यक्ति उसे डिलीवरी करने के लिए कॉल करेगा. इसके बाद एक दूसरे जालसाज ने फिर उसे फोन किया और कहा कि विहस्की की बोतल की डिलीवरी रिसीव करने के लिए उसे अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा. महिला ने रजिस्ट्रेशन करने से इनकार कर दिया और पहले वाले शख्स को फोन किया. उसने महिला को कहा कि रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है और फिर उसने कॉल काट दिया. महिला को फिर से दूसरे जालसाज का फोन आया, जिसने कहा कि उसकी रसीद संख्या 19051 है और उसे भुगतान करते समय अमाउंट सेक्शन में इसे भरने के लिए कहा. महिला ने निदेशों का पालन किया जिसके बाद उसके अकाउंट से 19,051 रुपये काट लिए गए.

मेट्रो ऑपरेशन में बाधा डालना अब पड़ेगा भारी

जुमार्ने के साथ खानी पड़ सकती है जेल की हवा...!

मुंबई : अक्सर लोग अपनी हरकतों से मेट्रो ऑपरेशन में परेशानी खड़ी करते रहते हैं. ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब लोगों की गलती की वजह से मेट्रो परिचालन को रोकना पड़ा है. लेकिन मुंबई में अब ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी कर ली गई है. दरअसल अगर अब मुंबई में किसी ने भी मेट्रो संचालन में बाधा डाली तो उसे जेल की हवा खानी पड़ सकती है.

बता दें कि मुंबई में अब मेट्रो के

संचालन में बाधा डालने वालों को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है. दरअसल महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशंस कॉरपोरेशन लिमिटेड ने मुंबईकरों को चेतावनी दी है कि मेट्रो के संचालन में बाधा डालने वाले लोगों के खिलाफ जेल या जुमार्ना या दोनों की दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी. बता दें कि दहिसर मेट्रो स्टेशन पर हुई एक घटना के बाद मेट्रो ऑपरेशंस कॉरपोरेशन लिमिटेड को ये चेतावनी जारी करना पड़ी. दरअसल मेट्रो स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि एक शख्स ने प्लेटफॉर्म स्क्रीन का दरवाजा खोलने की कोशिश की थी जिसके बाद 8 अगस्त को तीन मिनट के लिए ट्रेन संचालन को रोकना पड़ा था. इस घटना की वजह से काफी दिक्कतें भी हुई है. इसी कारण अब मेट्रो संचालन में बाधा डालने वालों को खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. इसलिए अब उन लोगों को संभलकर रहना चाहिए जो अपनी हरकतों की वजह से मेट्रो के संचालन में परेशानी का सबब बनते हैं.

रेलवे ट्रैक पर कुत्ते को बचाने का वीडियो वायरल... !

मुंबई : मुंबई की एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक युवक एक कुत्ते को ट्रेन के नीचे आने से बचाता है. ये वीडियो लोगों के दिल को छू रही है.छोटी सी क्लिप को इंस्टाग्राम पर 'मुंबई मेरी जान' नाम के अकाउंट से शेयर किया गया और इसका क्रेडिट निखिल लोखंडे को दिया गया है. इस वीडियो को अब तक 31,000 से ज्यादा लाइक्स और 50

हजार से अधिक व्यूज मिल चुक हैं.

वायरल हो रही वीडियो में एक कुत्ते को रेलवे ट्रैक पर चलते हुए देखा जा सकता है, उसी दौरान एक ट्रेन स्टेशन के पास आती हुई नजर आती है. हालांकि ट्रेन की स्पीड धीमी है. लेकिन युवक जब कुत्ते को रेलवे ट्रैक पर देखता है तो वह तुरंत उसे बचाने की कवायद शुरू कर देता है और उसे उठाकर प्लेटफॉर्म पर रख देता है. अगर युवक कुत्ते को रेलवे ट्रैक से नहीं बचाता तो वह ट्रेन के नीचे आ जाता. वहीं युवक के इस कार्य की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है. सोशल मीडिया यूजर्स के मुताबिक, घटना नालासपोरा की है जो मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के अंतर्गत आता है.

इंटरनेट यूजर्स कुत्ते को बचाने के लिए युवक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, यह देखकर मेरा दिल पिघल रहा है ! भगवान भला करे लोको पायलट और कुत्ते को बचाने वाले शख्स का !

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रुम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!